RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 31 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 8 जनवरी 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

लोकसभा चुनाव में काफी उलट-पुटल की सम्भावना

योगी-धामी को मैदान में उतार कर राजनीति के सबक दिख सकते हैं

कार्यालय प्रतिनिधि

'देश में मोदी-शाह की जोड़ी क्या कर रही है और कितना करेगी' सवाल पर पक्ष-विपक्ष दोनों में लगातार विचार हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने जिस प्रकार से भाजपा को आगे करने के अलावा अपना दबदबा बरकरार रखा है, उससे साफ हो चुका है कि भाजपा के संगठन के साथ ही सरकारों में नया नेतृत्व उभारने के लिये हर प्रकार से प्रयोग चल रहा है। नया नेतृत्व उभारने के जोर और पीढ़ी परिवर्तन के सिलसिले पर जिस प्रकार के दांव चले जा रहे हैं उससे यह भी आरोप लग रहा है कि मोदी के रिमोट के सामने सब खिलौने हैं। रणनीति के तहत विपक्ष को खड़ा ही नहीं होने देना पहला दांव है। इससे आगे के दांव में सारे राज्यों की राजनीति केन्द्र के इर्द-गिर्द घूमने वाली बनाई जा चुकी है। इस पूरे अभियान में कौन कितना आगे बढ़ सकता है और कौन हाशिये पर चला जायेगा, समय बतायेगा।

इस बीच सबसे ज्यादा चर्चा इसी बात की हो रही है कि भाजपा लोकसभा चुनाव में टिकटों को लेकर कई नेताओं को आइना दिखा सकती है। ऐसे में काफी उलट-पुलट की सम्भावना है। सबसे ज्यादा चौकाने वाली चर्चा तो यह

है कि उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया जायेगा। यूपी में योगी और उत्तराखण्ड में पुष्कर ने जिस प्रकार से दबदबा बनाया है, उसे देख एकाएक यह किसी के गले नहीं उतर रहा है कि इन्हें मुख्यमंत्री से हटा कर सांसद बनाने के लिये सोचा जा रहा है। यदि ऐसा होता है तो मुख्यमंत्री के रूप में कौन से चेहरे होंगे? बहुत तेजी से चर्चा फैली है कि योगी गोरखपुर और पुष्कर नैनीताल सीट से लोकसभा चुनाव में उतारे जा सकते हैं।

इन चर्चाओं की अभी तो पुष्टि नहीं की जा रही है लेकिन मोदी-शाह द्वारा किये जा रहे प्रयोग में कुछ भी हो सकता है। राजनीतिक गलियारों में यह भी तो कहा जा रहा है कि योगी जिस रफ्तार से नाम कमा चुके हैं वह उन्हें उलझा चुका है। ऐसे में गोरखपुर से उन्हें लोकसभा सीट के लिये आगे कर यूपी की राजनीति में नया किया जा सकता है। इसी प्रकार पुष्कर सिंह धामी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भले ही बहुत अच्छा मान रहे हैं लेकिन राजनीति के खेल में कुछ भी सम्भव है। इसके अलावा नैनीताल-उधमसिंह नगर लोकसभा सीट पर रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट का दबदबा होने के बावजूद अन्य दावेदारों की आवाज दूर तक सुनाई दे रही है। ऐसे में लोकसभा सीट को साधने के अलावा प्रदेश की राजनीति में नये चेहरों को आगे करने का प्रयोजन किया जा सकता है।

हल्द्वानी के राजनीतिक गलियारे

अजय भट्ट कहीं कम नहीं पड़ रहे

पि.हि.प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड में मात्र पाँच लोकसभा सीटें हैं जिसमें नैनीताल-उधमसिंह नगर सीट की सर्वाधिक चर्चा इसलिये होने लगी है क्योंकि इस सीट पर केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय भट्ट हैं। कांग्रेस का गढ़ रहे नैनीताल लोकसभा सीट में भाजपा का दबदबा बनता चला गया है क्योंकि राम लहर में बलराज पासी, उसके बाद ईला पन्त और मोदी के जादू में अजय भट्ट को जो अवसर जनता ने दिया है वह अभी बरकरार है लेकिन पार्टी के भीतर टिकट की मांग को लेकर जिस प्रकार से राजेश शुक्ला और अरविन्द पाण्डे ने कसरत की है उसके बाद कई तरह की चर्चाएं बनने और फैलने लगी हैं। हालांकि इन सारी चर्चाओं में अजय भट्ट कहीं कम नहीं पड़ रहे हैं। यहाँ तक कहा जाने लगा है कि सारे रिकार्डों को देखते हुए मुख्यमंत्री की दौड़ में भी वह पीछे नहीं हैं। इसका मतलब यह भी लगाया जा रहा है कि यदि लोकसभा सीट पर पुष्कर सिंह धामी को अवसर मिलता है तो अजय भट्ट को प्रदेश की कमान दी जा सकती है।

भाजपा की ओर से इस प्रकार की कोई सूचना जारी नहीं हुई है और अजय भट्ट पूरी तरह अपने संसदीय क्षेत्र में सक्रिय हैं। सीएम धामी भी अपने काज में सतर्क रहते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में बराबर सम्पर्क कर रहे हैं। इसके बावजूद यदि राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं होने लगी हैं तो मायने भी निकाले जाने लगते हैं। सबसे बड़ी बात तो यही है कि हल्द्वानी दबदबे वाली जगह मानी जा रही है। शिक्षामंत्री डॉ. धनसिंह रावत के भी सर्वाधिक दौरे हल्द्वानी में हो रहे है। नेता-मंत्रियों के दौरे और संगठन में उनकी पकड़ का सिरा कितना मजबूत है, इसकी चर्चा भी होने लगे तो बात सामान्य नहीं बल्कि चुनाव 2024 है..

आर्थिकी का मजबूत जरिया बनने लगा भोजपत्र

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

भोजपत्र, भोज नाम के वृक्ष की छाल का नाम है। इस वृक्ष की छाल सर्दियों में पतली-पतली परतों के रूप में निकलती है, जिन्हें मुख्य रूप से कागज की तरह इस्तेमाल किया जाता था। आदिकाल में जब लिखने के लिए कागज का आविष्कार नहीं हुआ था, तब वेदों और पुराणों की रचना भोजपत्र पर लिखकर की गई थी। भोजपत्र में लिखी गई कोई भी चीज हजारों वर्ष तक रहता है। वहीं भोज वृक्ष हिमालय में 4,500 मीटर तक की ऊँचाई पर पाये जाते हैं। यह एक ठण्डे वातावरण में उगने वाला पतझड़ी वृक्ष है, जो लगभग 20 मीटर तक ऊँचा हो सकता है। हालांकि, जानकारी के अभाव में भोज वृक्ष नष्ट होते चले गए। वर्तमान में भोजवृक्ष गिनती के ही बचे हुए हैं। भोजपत्र का नाम आते ही उन प्राचीन पाण्डुलिपियों का विचार आता है, जिन्हे भोजपत्रें पर लिखा गया है। कागज की खोज के पूर्व हमारे देश में लिखने का काम भोजपत्र पर किया जाता था। भोजपत्र पर लिखा हुआ सैकड़ों वर्षो तक संरक्षित रहता है, परन्तु वर्तमान में भोजवृक्ष गिनती के ही बचे हुये हैं। हमारे देश के कई पुरातत्व संग्रहालयों में भोजपत्र पर लिखी गई सैकड़ों पाण्डुलिपियां सुरक्षित रखी है। जैसे हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय का संग्रहालय। कालीदास ने भी अपनी कृतियों में भोज-पत्र का उल्लेख कई स्थानों पर किया है। उनकी कृति कुमारसम्भवम् में तो भोजपत्र को वस्त्र के रूप में उपयोग करने का जिक्र भी है। भोजपत्र का उपयोग प्राचीन रूस में कागज की मुद्रा के रूप में भी किया जाता था। इसका उपयोग सजावटी वस्तुओं और चरण पादुकाओं-जिन्हें लाप्ती कहते थे, के निर्माण में भी किया जाता था। सुश्रुत एवं वराद मिहिर ने भी भोजपत्र का जिक्र किया है। भोजपत्र का उपयोग काश्मीर में पार्सल लपेटने में और हुक्कों के लचीले पाइप बनाने में भी किया जाता था। वर्तमान में भोजपत्रों पर कई यंत्र लिखे जाते है। भोजपत्र पर लिखा हुआ सैकड़ों वर्षों तक संरक्षित रहता है। देश में आज भी भोजपत्र पर लिखी कई पांडुलिपियां सुरक्षित रखी गई हैं।

भोजपत्र का वानस्पतिक नाम बेतुला यूटीलिस है। यह हिमालय क्षेत्र में 4500 मीटर की ऊँचाई पर पाया जाता है। इसकी छाल सफेद रंग की होती है। भोजपत्र भोज नाम के वृक्ष की छाल का नाम है, पत्ते का नहीं। इस वृक्ष की छाल ही सर्दियों में पतली-पतली परतों के रूप में निकलती हैं, जिन्हें मुख्य रूप से कागज की तरह इस्तेमाल किया जाता था। भोज वृक्ष हिमालय में 4,500 मीटर तक की ऊँचाई पर पाया जाता है। यह एक ठंडे वातावरण में उगने वाला पतझड़ी वृक्ष है, जो लगभग 20 मीटर तक ऊँचा हो सकता है। भोज को संस्कृत में भूर्ज या बहुवल्कल कहा गया है। दूसरा नाम बहुवल्कल ज्यादा सार्थक है। बहुवल्कल यानी बहुत सारे वस्त्रें/छाल वाला वृक्ष। भोज को अंग्रेजी में हिमालयन सिल्वर बर्च और विज्ञान की भाषा में बेटूला यूटिलिस कहा जाता है। यह वृक्ष बहुउपयोगी है। इसके पत्ते छोटे और किनारे दांतेदार होते है। वृक्ष पर शहतूत जैसी नर और मादा रचनाएं लगती है, जिन्हे मंजरी कहा जाता है। छाल पतली, कागजनुमा होती है, जिस पर आड़ी धारियों के रूप में तने पर मिलने वाले वायुरंध्र बहुत ही साफ गहरे रंग में नजर आते है।यह लगभग खराब न होने वाली होती है, क्योंकि इसमें रेजिनयुक्त तेल पाया जाता है। छाल के रंग से ही इसके विभिन्न नाम लाल, सफेद, सिल्वर और पीला, बर्च पड़े

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

कालेजों की दुर्दशा

कहा जा रहा है कि डिग्री बांटने तक सिमटे सरकारी कालेज अब छात्रों को रोजगार देंगे। क्या यह सब इतना आसान है? उन कालेजों का क्या होगा जिनमें घपले का आरोप लगा है? उन प्रोफेसरों का क्या होगा जिनकी पंजिका लाल रंग से सनी है? उन मदों का क्या होगा जिन्हें बेशर्मी से पचाया जा रहा है? एनएसएस जैसे पवित्र कार्य के पैसे को भी डकार मारने वाले शिक्षकों का क्या होगा? क्या स्पेशल ऑडिट करवाकर भ्रष्टाचार की जड़ को रोका जा सकेगा। क्या यह सब कालेजों की दुर्दशा नहीं है?

कालेजों की दुर्दशा से शासन-प्रशासन अनभिज्ञ हो, ऐसा नहीं है। यही कारण है कि केवल डिग्री बांटने का अड्डा बन चुके कालेजों को पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन यहाँ पर उन शिक्षकों से सचेत रहने की भी जरूरत है जो खुरापात कर समय काट रहे हैं और यह बताने से नहीं चूक रहे हैं कि वह 'प्रोफेसर' हैं। क्या प्रोफेसर का अर्थ इतना भर है कि वह मोटी पगार लेकर चौंचलेबाजी में लिप्त रहे?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अन्तर्गत शिक्षा को नए स्वरूप में ढालने और उसे रोजगार से जोड़ने के लिए केन्द्र सरकार ने राज्यों को प्रोत्साहित किया है। इसी के तहत उद्यमिता और कौशल विकास को उच्च शिक्षा का अंग बनाने की पहल हुई है। उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगोली ने बताया है कि देवभूमि उद्यमिता केन्द्रों में छात्र-छात्राओं को छोटे से लेकर बड़े व्यवसाय और उद्यमों से सम्बन्धित जानकारी दी जाएगी। ऐसे सौ प्रोफाइल युवाओं को सहायता के लिये तैयार किया जा रहा है।

उच्चशिक्षा सचिव वाकेई बेतहर सोच रहे हैं और योजना को मूर्त रूप देना चाहते हैं लेकिन उन्हें पहले यह जाँच लेना भी जरूरी है कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में कौन सम्मिलित हो रहे हैं। जिस प्रकार कालेजों में तमाम प्रकार के कैम्प व अन्य गतिविधियां कागजों-फोटो में दिखाई जाती हैं, कहीं इसका हाल भी ऐसा न हो जाए। केन्द्र और राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना को बट्टा न लगे इसके लिये बहुत जरूरी है कि सबसे पहले भ्रष्टाचार की जड़ों को काटा जाए।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

पाकिस्तान आम चुनाव में पहली बार....

पाकिस्तान में हो रहे ताजा आम चुनाव में पहली बार हिन्दू महिला डॉ. सवीर प्रकाश चुनाव मैदान में है। वह खैबर पख्तूनख्वर प्रान्त के बुनेर जिले से पीपीपी की उम्मीदर हैं। वह पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की महासचिव भी हैं।

मुस्लिम लीग जेके पर ५ साल प्रतिबन्ध

केन्द्र सरकार ने देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने पर मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर (मसरत आलम ग्रुप) पर 5 साल के लिए प्रतिबन्ध लगा दिया है। गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून के तहत यह कार्रवाई की गई है।

यूएई में मंदिर उद्घाटन में शामिल होंगे मोदी

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबूधाबी में पहला हिन्दू मन्दिर बनकर तैयार हो चुका है। मन्दिर उद्घाटन 4 फरवरी 2024 को तय किया गया है। बीएपीएस के स्वामी ईश्वरचरणदास ने शिष्टमण्डल के साथ पीएम नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया है, जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

यूक्रेन के लिये २५० मिलियन डॉलर पैकेज

अमेरिका के विदेश विभाग ने एक बार फिर यूक्रेन की मदद के लिए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की। विदेश विभाग ने 250 मिलियन डॉलर की सहायता का एलान किया है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने घोषणा की।

किम ने युद्ध तैयारी तेज के निर्देश दिए

उत्तर कोरिया के नेता किम जोन उन ने कोरियाई प्रायद्वीप में अमेरिका और उसके सहयोगियों के चरम का मुकाबला करने के लिए देश की सेना को युद्ध की तैयारी तेज करने का निर्देश दिया है। वहाँ की सरकारी एजेंसी केसीएनए ने यह जानकारी दी है।

भारत-रूस के मजबूत रिश्ते : पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमोर पुतिन ने कहा है कि दुनिया में वर्तमान उथल-पुथल के बावजूद रूस के भारत और उसके लोगों के साथ सम्बन्ध लगातार आगे बढ़ रहे हैं। कहा कि भारत में अगले आम चुनाव के बाद भले कोई भी राजनीतिक समीकरण बने लेकिन दोनों देश अपने पारम्परिक मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखेंगे।

बंगाल में भाजपा के खिलाफ ममता का नेतृत्व

पश्चिम बंगाल में माकपा और कांग्रेस पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि टीएमसी आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ लड़ाई की अगुवाई करेगी।

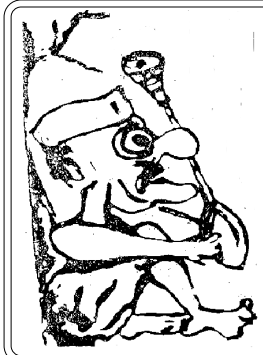

फसक

दाज्यू, किसको क्या कहें?

कपड़योप हो रही ठैरी

जो नहीं देखा वही अच्छा, तभी तो सड़कों पर जाम है बल

दाज्यू, उत्तरायणी आने वाली है, जग्गन और टीटू चुनाव तैयारी में हैं। कह रहे थे पार्टी चाहे कोई हो, रास्ता साफ है। दाज्यू, ठीक ही कह रहे होंगे। वैसे भी जो नहीं देखा वही अच्छा। सारी सड़कों पर वाहनों की कतार का कुछ तो मतलब होगा ही? कहने भर की देर है, सुर-सुर-सुर-सुर गाड़ियां दौड़ने लगती हैं। भवाली का कैंची मन्दिर ही देख लो, सड़क में जाम से आफत मच चुकी है। किसको क्या कहें? कपड़योव हो रही ठैरी। भुजियाघाट के रिजॉर्ट में हंगामा और फायरिंग का ताजा मामला धुंआ छोड़ रहा है। हैप्पी न्यू ईयर और क्रिसमस पर रंगत छोड़ क्याप्प होने लगा है। दाज्यू, भुजियाघाट में हरियाणा से अजय हुड्डा को गीत गाने के लिये बुलाया था बल। युवक-युवतियों के बीच कपड़योव होने लगी और पुलिस को बुलाया गया।

दाज्यू, च्वेड़ा-च्वेड़ मची है, जो जिसके जितना नोच सके। अब तो दायित्व धारियों को 45 हजार प्रतिमाह मिलेगा बल। मंत्रिपरिषद अनुभाग ने इस सम्बन्ध में जैसे ही आदेश जारी किया, गिरधर नाचने लगा। गिरधर को भरोसा है अगली बार उसे भी दायित्वधारी बना दिया जायेगा।

दाज्यू, जेएनयू के पूर्व अधिकारी ने 35 प्राफेसरों को 11 करोड़ की चपत लगाई है बल। हाउसिंग सोसाइटी में कम कीमत पर मकान देने के नाम पर फर्जीबाड़ा की शिकायत है। गठबाजी में आकर्षक इनामी योजना देखकर ज्यादातर फिसल जाने वाले ठैरे। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के 24 शिक्षक भी ठगी की लपेट में आ गए। अपने को उच्च न्यायालय का अधिवक्ता व शासन में अच्छी पहचान बता रहे ठगों ने शिक्षकों को ठग दिया। अब शिकायत के बाद मामला उजागर हो रहा है। दाज्यू, कितना ही कह दो लेकिन लोग कपड़योव से बाज नहीं आ रहे हैं। जहाँ से जितना हो सके, नोचने का खेल जारी है। रुद्रपुर में निवर्तमान मेयर और भाजपा प्रदेश मंत्री हित तीन लोगों पर पेड़ काटने का आरोप लगा है लेकिन यह लोग सारे आरोप निराधार बता रहे हैं। पुलिस जाँच कर रही है। सुना है नई कारागार नियमावली के तहत अब बन्दियों को पौष्टिक आहार मिलेगा। दालफ्राइ की बात सुनकर जग्गू खुश है। कह रहा था- 'ढाबे की दाल से मन भर गया है। ढाबों के लिये भी नियमावली होनी चाहिये।'

दाज्यू, क्या कहें और क्या करें? सुना है अयोध्या में राम मन्दिर में आरती के लिये बुकिंग शुरु हो चुकी है। हम लम्फू जलाकर घर में 'ऊं जय जगदीश हरे' तो करते ही हैं। भिक्कू कह रहा है- 'अयोध्या चलो। भगवान मिलेंगे।' रुद्रपुर में गौरव सेनानी वीर नारी उत्थान समिति ने बैठक कर ऐलान कर दिया है कि यदि गदरपुर के विधायक अरविन्द पाण्डेय को नैनीताल लोकसभा सीट पर टिकट नहीं दिया गया तो मतदान का बहिष्कार करेंगे। दाज्यू, भाजपा की सूची में तगड़े-तगड़े नेता ठैरा। दाज्यू, नैनीताल के बाजार में टोपी खरीद रहे पर्यटक और दुकानदार के बीच विवाद हो गया था। अभी निपटा है। आगे भी ठीक रहे यही कामना है। -तुम्हारा भुली झकरुवा

आर्थिकी का.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

है। भोज पत्र की बाहरी छाल चिकनी होती है, जबकि आम, नीम, इमली, पीपल, बरगद आदि अधिकतर वृक्षों की छाल काली भूरी, मोटी, खुरदरी और दरार युक्त होती है। यूकेलिप्टस और जाम की छाल मोटी परतों के रूप में अनियमित आकार के टुकड़ों में निकलती है। भोजपत्र की छाल कागजी परत की तरह पतले-पतले छिलकों के रूप में निकलती है। भोज के पेड़ हल्की, अच्छी पानी की निकासी वाली अम्लीय मिट्टी में अच्छी तरह पनपते है। आग या अन्य दखलंदाजी से ये बड़ी तेजी से फैलते है। भोज से कागज के अलावा इसके अच्छे दाने वाली, हल्के पीले रंग की साटिन चमक वाली लकड़ी भी मिलती है। इससे वेनीर और प्लायवुड भी बनाई जाती है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि भोजपत्र का उपयोग दमा और मिर्गी जैसे रोगों के इलाज में किया जाता है। उसकी छाल बहुत बढिया एस्ट्रिंजेट यानी कसावट लाने वाली मानी जाती है। इस कारण बहते खून और घावों को साफ करने में इसका प्रयोग होता है।चमोली में उच्च हिमालयी क्षेत्रों में उगने वाले दुर्लभ भोजपत्र की छाल महिलाओं की आर्थिकी का मजबूत जरिया बनने लगा है। इसको लेकर जिला प्रशासन द्वारा महिला समूहों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विकासखंड जोशीमठ में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत एसएचजी महिलाओं को भोजपत्र पर कैलीग्राफी व स्ट्रिंग आर्ट एडवांस वर्जन का प्रशिक्षण शुरू किया गया है। जिला प्रशासन के सहयोग से मास्टर ट्रेनर सुरभि रावत द्वारा समूह की महिलाओं को भोजपत्र कैलीग्राफी की बारीकियों के साथ स्केलिंग एवं नवीन तकनीक के बारे में जानकारी दी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के बदरीनाथ भ्रमण के दौरान नीती-माणा एसएचजी की महिलाओं ने उन्हें भोजपत्र पर लिखा अभिनन्दन पत्र भेंट किया था। जिसके बाद प्रधानमंत्री ने भोजपत्र के सोविनियर बनाने को लेकर मन की बात एपिसोड में भी महिलाओं की इस पहल की खूब सराहना की थी। इससे प्रभावित होकर समूह की महिलाएं भोजपत्र प्रशिक्षण में बढ़-चढ कर प्रतिभाग कर रही है। जिला प्रशासन की ओर से पूर्व में विकासखण्ड जोशीमठ में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से दो चरणों में समूह की 30 महिलाओं को दुर्लभ भोजपत्र पर कैलीग्राफी से आकर्षक सोविनियर बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। चारधाम यात्रा के दौरान महिलाओं ने विकास विभाग के आउलेट और एनआरएलएम के माध्यम से भोजपत्र से तैयार किए गए आकर्षक सोविनियर, बद्रीनाथ की आरती, माला, राखी, सुन्दर स्मृति चिन्ह एवं कलाकृतियों का विपणन कर दो लाख से अधिक आमदनी की। दुलर्भ भोजपत्र के पौराणिक महत्व एवं इससे बने आकर्षक सोविनियर की मांग को देखते हुए जिलाधिकारी की पहल पर महिलाओं समूहों की आर्थिकी सुदृढ़ बनाने की योजना तैयार की गई। परियोजना निदेशक ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं समूहों को उनकी आजीविका संवर्धन व कौशल विकास के लिए जोशीमठ में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जो आने वाले समय में महिलाओं के लिए स्वरोजगार का एक सशक्त जरिया बनेगा। सुन्दर शब्दों को लिखने की कला को कैलीग्राफी कहा जाता है। कैलीग्राफी को हिन्दी में अक्षरांकन कहते हैं। कैलीग्राफी एक विजुअल आर्ट है। कैलीग्राफी लिखने वाले प्राफेशनल आर्टिस्ट को कैलीग्राफी कहते हैं। एक कैलीग्राफी सुन्दर अक्षरों को लिखने के लिए खास तरह के पेन, निब, पेंसिल, टूल, ब्रश आदि का इस्तेमाल करते हैं। लकड़ी के टुकड़ों पर कील और धागे के उपयोग सजावटी सामग्री बनाने की कला को स्टिरंग आर्ट कहते हैं। इस कला से देश और दुनिया में बड़े पैमाने पर लोग बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं। भोजपत्र उच्च हिमालय का मुख्य वृक्ष है। भोजपत्र की विशेषताएं इस क्षेत्र को विशेष बनाती है। जिसे देखते हुए उच्च हिमालय जाने वाले प्रत्येक पर्यटक को यहाँ एक पौधा रोपण करना चाहिए। हिमालय में पर्यावरण प्रभावित होने का असर पूरे देश पर पड़ेगा।

सड़क बन जाने से अब उच्च हिमालय तक काफी अधिक संख्या में पर्यटक पहुँच रहे हैं। जिससे यहाँ का पर्यावरण प्रभावित होगा। यहाँ के पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए पौधारोपण आवश्यक है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

स्मरण

शिक्षा की अलख जगाने के लिये गाँव देहातों में रहे अनाम तपस्वी

वयोवृद्ध शिक्षाविद श्री भगवती प्रसाद जोशी के द्वारा सराहनीय जानकारी प्रदान की गई है। इसे प्रस्तुत कर रहे हैं दीवान सिंह कठायत-

सदैव ही देवदूत के रूप में अनेक सामान्य जीवन जीने वाले व्यक्ति नि:स्वार्थ सेवा कर समाज को जागृत करने के उद्देश्य से छोटी बड़ी शिक्षण संस्थाओं की स्थापना करते हैं। मुझे स्मरण हो आता है प्रात:स्मरणीय स्वर्गीय देबीदत्त पन्त जी का जिन्होंने बेरीनाग हाई स्कूल की स्थापना और उसे इन्टर कालेज बनाने तक अविस्मरणीय योगदान प्रदान किया। इसी प्रकार नारायण नगर में परम पूज्य नारायण स्वामी जी ने जिस शिक्षण संस्था की स्थापना की उसको प्रथम प्रधानाचार्य प्रात:स्मरणीय स्वर्गीय ईश्वरी दत्त पन्त जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन उसे उत्कृष्ट बनाए रखने में दिया। गंगोलीहाट इन्टर कालेज में श्री भैरव दत्त पाठक जी ने अपना अमूल्य योगदान प्रदान किया। काण्डा में श्री माजिला जी और कौसानी में श्री भुवन चन्द्र जोशी जी अल्मोड़ा में प्रात:स्मरणीय स्वर्गीय अम्बादत्त पन्त जी के त्याग तपस्या का परिणाम है कि आज कुमाऊं विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण शाखा के रूप में सामने है। नैनीताल में प्रात:स्मरणीय स्वर्गीय दान सिंह बिष्ट जी और प्रथम प्रधानाचार्य डाक्टर आदित्य नाथ सिंह के अविस्मरणीय योगदान को कैसे भूला जा सकता है। मैं समझता हूँ कि यहाँ मैं केवल कुछ ही संस्थाओं और कतिपय नाम सामने ला रहा हूँ किन्तु मेरा आशय मात्र यही है कि बौद्धिक विकास के लिए देश भर के हर भाग में ऐसे अनेकों महापुरुषों का शिक्षा को विकास का मूल मंत्र और आधार जानकर शिक्षण संस्थानों की स्थापना में अतुलनीय योगदान रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर महामना मदन मोहन मालवीय जी जैसे महापुरुष तो हैं ही किन्तु गाँव देहात में भी अनेक अनाम तपस्वी रहे हैं। नमन वन्दन अभिनन्दन।

आ रे अल्माड़

आ रे अल्माड़
कुंछी पैलि मनख् सयाँण
नै गये अल्माड़ नै लागि गज्माड़
आबत्! बस मैं यई कूंल
आ रे अल्माड़, आहा- ओहो अल्माड़।
इष्ट गोलज्युक् दरबार
यां गंगु जोगिक् धाम
रातनदिन मनख दर्शन करि
आशीष लिनीं, करनी प्रणाम।
आहा यांक माल बाल पटाल
लमि बजार करिं धमाल
वाल टुक् फौजी परेड गिरूनत्
पाल टुक ऐनटीडीक् दीवाल।
बुटदार स्यात् पिंगाव गुराग
छाजन घुरण कांकण
कवा भाल् भला शुंश
करनी आपसै में खेल रिभड़।
हमार चंद राज नक् महल
यो राजधानी रै सालों-साल
नन्दादेवीक् ठुलो मन्दिर
कसारदेबि गैराड़गोलू भूम्याल।
देखण लकारिक् यां कौतिक
दशहरा म्यालकि औरि बात
आठ-आठ, दस-दस हाथाक् राछ्यटन
दिगाड़ै लगूनी फ्वाईंकन् आग।
आहा ह्वाकाकलबैकि होइ
जाग-जाग में देखो रामडील
दिल खुशि करि द्याल रीत रिवाज
बिलकुलै नै हो बैड फील।
तु बटीबाटी बेर आए सुवा
धारनौव में त्वे चारूंल
जग्गुवाक् जीप में बैठ्या भागी
अंगरेजनक् चारि तेकै घुमूंल।

-दीवान सिंह कठायत

श्रद्धांजलि

हमेशा जड़ों से जुड़ने की अपनी करते रहे शिक्षक मोहन सिंह सयाना

सेवानिवृत्त शिक्षाधिकारी व नैनीताल के मल्लीताल में जोहार भवन वाले सयाना जी के नाम से प्रसिद्ध मोहन सिंह सयाना जी का 27 दिसम्बर 2023 को निधन हो गया। युवाओं को हमेशा अपनी जड़ों से जुड़े रहने की अपील करने वाले शिक्षक मोहन सिंह जी पिघलता हिमालय में अपने लेखों के द्वारा भी भूली-बिसरी यादों को सामने लाते थे। पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों के दर्द को वह हमेशा बयां करते और संघर्ष के दौर के साथियों को आदर्श मानते थे। समाज के मजबूत स्तम्भ के रूप में वह हल्द्वानी, नैनीताल से लेकर सीमान्त तक जाने जाते थे। पिघलता हिमालय अपने वरिष्ठ सहयोगी स्व.मोहन सिंह सयाना को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

समाज सुधारक के रूप में अग्रणीय रहे खुशाल सिंह पांगती

मुनस्यारी के खुशाल बुकसेलर के नाम से प्रसिद्ध खुशाल सिंह पांगती का दिल्ली में 27 दिसम्बर 2023 को निधन हो गया। ट्राइवल हेरिटेज म्यूजियम के संस्थापक स्व. शेर सिंह पांगती के लघु भ्राता खुशाल सिंह जी की 1960-70के दशक से मुनस्यारी में कापी-किताबों की दुकान थी, जो इसी नाम से प्रसिद्ध हो गये। संघ के प्रचारक के साथ ही समाज सुधारक के रूप में हमेशा सक्रिय पांगती जी व इनका परिवार हमेशा सामाजिक भले कार्यों में रहा है। पिघलता हिमालय अपने साथी स्व. खुशाल सिंह पांगती को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

आपके पत्र

साहित्यकारों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए

सेवा में,
माननीय मुख्यमंत्री
उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून।

महोदय,

प्रदेश के के साहित्यकारों (लेखकों, कवियों) को साहित्य लेखन हेतु प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है। केन्द्र व राज्य सरकारें सभी वर्गों को उनका जीवन स्तर सुधारने के लिये विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन देती रहती है। जैसे- गरीब, दिव्यांग, महिलाओं, किसानों, विश्वकर्मा आदि वर्गों को उनके व्यवसाय प्रोत्साहन हेतु कुछ न कुछ आर्थिक सहायता प्रदान करती रहती है, जिससे उनका जीवन स्तर सुधार होता दिखाई दे रहा है। लेकिन साहित्यकारों, लेखन कार्य करने वालों के लिये सरकारी स्तर पर कोई प्रोत्साहन की व्यवस्था नहीं रखी गई है। साहित्यकार, लेखक एवं कवि लोग अपना निरन्तर परिश्रम करके साहित्य प्रकाशन करवाते रहे हैं परन्तु उन्हें तमाम प्रकार की कठिनाइयों के साथ ही आर्थिक दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है। ऐसे में कई पत्रिकाएं प्रभावित होकर बन्द हो चुकी हैं। विज्ञापन आदि सहयोग भी शासन स्तर पर न के बराबर है जबकि लेखकों को प्रोत्साहन की दिशा में सहानुभूति पूर्वक विचार होना चाहिये।

-नन्दा बल्लभ पाण्डे, ज्योलीकोट
वरिष्ठ नागरिक एवं साहित्य लेखक

ज्योतिष की बातें - 160

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी की भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह शनि मूलत्रिकोण राशि कुम्भ में सूर्य, मंगल और गुरु मित्रराशि धनु, धनु और मेष में क्रमश: बुध और शुक्र समराशि धनु और वृश्चिक में क्रमश: गोचर करेंगे। चन्द्रमा वृश्चिक, धनु, मकर व कुम्भ राशि में क्रमश: इस सप्ताह गोचर करेगा। सभी ग्रह मार्गी भी हैं इस सप्ताह में।

14 जनवरी 2024 को मंगल धनु राशि में पूर्व में उदय हो जाएगा अत: मंगल से मिलने वाले शुभाशुभ फल सभी जातकों को अब स्पष्ट रूप से प्राप्त होने लगेंगे।

14 जनवरी को खरमास की समाप्ति हो जाएगी अत: यज्ञोपवीत आदि संस्कार तथा गृहप्रवेश आदि शुभकार्य इसके बाद प्रारम्भ हो जाएंगे।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 51

हिन्दुत्व के द्वारा ही सनातन की क्षति

देश और दुनिया में लाखों भगवान शंकर के मन्दिर हैं उसमें हजारों ऐसे मन्दिर है जो पौराणिक महत्व के हैं, जिनका वर्णन शिव पुराण, स्कन्द पुराण आदि महापुराणों में पाया जाता है। लेकिन ज्योतिर्लिंग केवल 12 ही हैं, न इससे अधिक हो सकते हैं और न इससे कम हो सकते हैं परन्तु आजकल बहुत से शिव मन्दिरों को ज्योतिर्लिंग कहकर प्रचारित किया जाता है। यह गलत हो रहा है । इसी प्रकार शक्तिपीठ केवल 51 ही हैं। इससे न्यूनाधिक नहीं हो सकते लेकिन आजकल देवी के बहुत से प्राचीन मंदिरों को और कुछ नये मन्दिरों को भी शक्तिपीठ कहकर प्रचारित किया जाता है। इससे जनता की धार्मिक भावना का शोषण और वास्तविक शक्तिपीठों को हानि होती है। इसी प्रकार देश में आदि जगद्गुरु शंकराचार्य जी के द्वारा स्थापित केवल चार धाम ही हैं- बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ पुरी और रामेश्वरम। इससे अधिक धाम नहीं हो सकते। लेकिन आजकल बहुत से मन्दिरों, तीर्थक्षेत्रों और नगरों के नाम बदलकर धाम किये जा रहे हैं। जैसे- अयोध्या धाम, पनकी धाम आदि आदि। इस प्रकार से धर्मप्राण हिन्दू जनता के मन में भ्रम निर्माण किया जा रहा है और जो मुख्य चार धाम हैं उनकी महत्ता को गिराया जा रहा है। इस प्रकार सरकार के द्वारा, तथाकथित धार्मिक व्यक्तियों के द्वारा सनातन धर्म को धर्म के नाम पर ही परोक्ष रूप से नष्ट-भ्रष्ट किया जा रहा है।

मेरी विचार से धार्मिक लोगों के इस प्रकार के कार्यों पर रोक लगाई जाना चाहिए। धार्मिक जनता को भी सच्चाई ज्ञात होने पर इन गलत बातों का विरोध करना चाहिए। सनातन धर्म के शीर्ष सन्तों को भी इस पर विचार करना चाहिए।

-सरल

पिघलता हिमालय के सदस्य ध्यान दें-

पिघलता हिमालय की वार्षिक सदस्यता 200/- आजीवन सदस्यता- 2000/- है। इसके अतिरिक्त अपने सन्देश/विज्ञापन के रूप में सहयोग दिया जा सकता है। सहयोग राशि सीधे बैंक में भेजने वाले राशि जमा करते ही उसकी सूचना हमारे मो0न0 पर भी दें ताकि मान्य हो सके। स्थानान्तरण होने की स्थिति में सदस्यगण अपना पता बदलने की सूचना भी समय से दें।

खाते का नाम- पिघलता हिमालय
बैंक का नाम- बैंक ऑफ इण्डिया
शाखा कार्यालय कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी(नैनीताल)
खाता नं- 705120110000225
IFSC कोड नं- BKID 0007051

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पीएचसी अस्कोट को संवारो

अस्कोट। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अस्कोट के हालात खराब हो चुक हैं, क्षेत्रवासियों ने इसे संवारने की मांग की है। यहाँ पर स्टाफ की कमी तो है ही, आवासीय परिसर भी खण्डहर होने लगा है। 12 हजार की आबादी में एकमात्र अस्पताल है लेकिन इसकी सुध नहीं ली जा रही है।

रुद्रपुर में बनेगी मल्टी लेवल पार्किंग

रुद्रपुर। सीएम पुष्कर धामी ने शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्त रखने के लिये मल्टी लेवल पार्किंग का प्रस्ताव तैयार कर चरणबद्ध रूप से निर्माण कराने के निर्देश दिये हैं। उनके इस प्रस्ताव को मुख्यमंत्री की घोषणा में शामिल किया गया है। इसके अलावा उत्तराखण्ड प्रवेश पर भव्य स्वागत द्वार का निर्माण और एनएच 87 मुख्य मार्ग का सिडकुल तक सौन्दर्यीरण करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

डेढ़ करोड़ से तैयार होगा टाउन प्लान

रुद्रपुर। किच्छा के प्राग फार्म में जमरानी बांध प्रभावितों को बसाने के लिये टाउन प्लानिंग का कार्य किया जायेगा। डेढ़ करोड़ रुपये से इसके बनाने के साथ ही डीपीआर तैयार की जाएगी। बताया गया है कि 75 करोड़ की लागत से प्राग फार्म में प्रभावितों के लिए मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा।

पन्तनगर मंला १२ मार्च तक होगा

पन्तनगर। जीबी पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के किसान मेला सलाहकार समिति की बैठक में तक किया गया कि 115 वां अखिल भारतीय किसान मेला 9 से 12 मार्च तक विवि परिसर में आयोजित किया जायेगा। कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में समारोह के लिये कमेटियां गठन व प्रगतिशील कृषकों का सम्मान पर चर्चा हुई।

एक दिवसीय रामलीला मंचन

अल्मोड़ा। श्री लक्ष्मी भण्डार हुक्का क्लब ने तय किया है कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मन्दिर के उद्घाटन के दिन हुक्का क्लब में एक दिवसीय रामलीला मंचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जायेंगे।

२२ जनवरी को नैनीताल में दीवाली

नैनीताल। अयोध्या में बन रहे राम मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर विश्व हिन्दू परिषद के तत्वावधान में भाजपा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आदि विभिन्न आनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ता सरोवर नगरी में दीवाली मनाएंगे। कार्यक्रम संयोजक प्रकाश नौटियाल की उपस्थिति में हुई बैठक में तय किया गया कि इस दिन बिजली मालाओं से घरों को सजाएंगे।

गणाई गंगोली में नौलिंग महोत्सव में रंगारंग नृत्य-गीतों की प्रस्तुति

गंगोलीहाट। गणाई गंगोली के नौलिंग महोत्सव में नृत्य-गीतों की रंगारंग प्रस्तुति देखने को मिली। ठण्ड के बावजूद बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे। महोत्सव में कमेटी अध्यक्ष जितेन्द्र बोरा, उपाध्यक्ष राजेन्द्र उपाध्याय, व्यवस्थापक देवेन्द्र मेहता, कोषाध्यक्ष शम्भू सिद्धार्थ पाण्डे, सचिव गिरीश बोरा, उपसचिव राजेश बोरा, हरीश डसीला की पूरी टीम व्यवस्था संवारने में जुटी रही। क्षेत्र में मनाए गये इस उत्सव के लिये स्थानीय व आमंत्रित कलाकारों ने सुन्दर प्रस्तुतियों से मनोरंजन किया। इनमें भावना काण्डपाल, कैलश कुमार, सुमित्रा शंकर, कमलजीत, खुशी जोशी, चंचल रावत सहित स्थानीय बाल कलाकार रहे। अतिथि खजान चन्द्र गुड्डू, महेन्द्र बल्दिया ने आयोजकों को उत्साति करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से कलाकारों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख अर्चना गंगोला, हरीश कोठारी ने भी आयोजकों की सराहना की। संचालन चन्दन बाणी, मोहन जोशी ने किया। इस मौके पर लक्की ड्रा भी निकाले गये।

जुम्मा के जगनी मेले पर जुटे श्रद्धालु

धारचूला। जुम्मा के जगनी मेले में श्रद्धालुओं का हुजूम जुटा। चौदह वर्ष बाद जुम्मा के प्रसिद्ध पटोजा मन्दिर में मेले का आयोजन किया गया था। इस दौरान अपने अराध्य के दर्शन व पूजा के लिए लोग उमड़े और आशीर्वाद लिया।

जुम्मा में रात्रि जागरण के बाद मेले का आयोजन किया गया। भगवान पटोजा मन्दिर में रांथी, स्यांकुरी, खोला, गलती के साथ कई गाँवों के लोग परम्परागत तरीके से वाद्ययंत्रों के साथ गाते-झूमते हुए पहुँचे। विधि विधान के साथ लोक के पटोजा देवता की पूजा-अर्चना हुई।

कड़क ठण्ड के बावजूद श्रद्धालु पूजा के लिये कतार में लगे और क्षेत्र की खुशहाली के लिये आशीर्वाद मांगा। जुम्मा पटोजा समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह धामी ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया। बताते चलें कि लोक देवता भगवान पटोजा को कल्याणकारी देव के रूप में पूजा जाता है। कहते हैं इसकी पूजा करने से इच्छिता मांग पूरी होती है। मेले में मुख्य पुजारी लाल सिंह धामी, रूदल सिंह धामी, गगन सिंह, ब्लाक प्रमुख धन सिंह धामी, मान सिंह, खीम सिंह, बिशन सिंह, प्रेम सिंह भी मौजूद थे।

कैंट से अलग होने को धरना-प्रदर्शन

रानीखेत। कैंट से अलग होने के लिये गांधी चौक धरना प्रदर्शन जारी है। इस प्रदर्शन को 300 दिन हो चुके हैं। वक्ताओं ने कहा कि यदि उन्हें कैन्ट से आजादी नहीं मिली तो लोकसभा चुनाव का बहिष्कार किया जायेगा।

गांधी चौक में लगातार जारी धरना प्रदर्शन में मांग उठाई जा रही है। वक्ताओं ने कहा कि चिलियानौला नगर पालिका में रानीखेत सिविल एरिया को सम्मिलित किया जाना चाहिये। कैन्ट क्षेत्र को सिविल जनता वर्षों से नगर पालिका की मांग करती आ रही है, लेकिन शासन द्वारा उनकी मांगों को दरकिनार कर यहाँ के क्षेत्रवासियों को आहत किया है। धरना प्रदर्शन करने वालों में खजान पाण्डे, दीप भगत, जयन्त रौतेला, लक्ष्मी गुरुरानी, कैलाश पाण्डे, अनिल वर्मा, हरीश अग्रवाल, भुवन शाह आदि थे।

आधारकार्ड बनाओ, कांग्रेसी चेतावनी

गंगोलीहाट। एक ओर केन्द्र की मोदी सरकार के दस वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर देश के सभी गाँवों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर आधार कार्ड के बिना कोई भी सरकारी सुविधा नहीं देने और वर्तमान में कोई भी कार्य बिना आधार कार्ड के नहीं हो रहा है। यह सब गंगोलीहाट-गणाई गंगोली तहसील में भी दिख रहा है जहाँ पर आधार कार्ड नहीं बनने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन के द्वारा पोस्ट आफिस, विकासखण्ड, बैंकों में आधार कार्ड बनाने के निर्देश दिये थे लेकिन व्यवहार में ऐसा नहीं हुआ है। गंगोलीहाट के लोग 30 किमी दूर बेरीनाग जाकर आधार कार्ड बनवाने का कार्य कर रहे हैं। इसमें धन और समय ज्यादा खर्च हो रहा है। लम्बे समय से गंगोलीहाट में आधार कार्ड सुविधा शुरु करने की मांग की जा रही है। कांग्रेस नगर अध्यक्ष नारायण सिंह बोहरा का कहना है कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। यदि आधार कार्ड बनाने का कार्य दुरुस्त नहीं किया गया तो आन्दोलन किया जायेगा।

व्यास जनजाति संघर्ष समिति गठित

धारचूला। नाबी मिलन घर में व्यास घाटी के सातों गाँवों की बैठक में व्यास जनजाति संघर्ष समिति का गठन किया गया, जिसमें राजेन्द्र सिंह नबियाल अध्यक्ष और राजेन्द्र सिंह गुंज्याल महासचिव चुने गये। धीरेन्द्र बुदियाल, निहारिका गर्ब्याल, टैसर नपलच्याल, लक्ष्मण कुटियाल को उपाध्यक्ष, हरीश रोंकली, अर्चना गुंज्याल, मंजू कुटियाल, मालती गर्ब्याल सचिव, सुरेन्द्र रोंकली कोषाध्यक्ष, कबीन्द्र बुदियाल सह कोषाध्यक्ष बनाए गए। वीरेन्द्र सिंह, दान सिंह बुदियाल, लक्ष्मी गर्ब्याल, रूपा गर्ब्याल, सरोजनी गर्ब्याल, सन्देश नपलच्याल, राकेश सिंह, संजय गुंज्याल, उसम गुंज्याल, प्रवेश नबियाल, बृजेश नबियाल, प्रदीप नबियाल, अमर कुटियाल, पंकज कुटियाल सदस्य बनाए गए। भोगश्वरी गर्ब्याल, कुशल नपलच्याल, पान सिंह गुंज्याल, मदन नबियाल, जीवन रोंकली, चैत सिंह कुटियाल को संरक्षक बनाया गया है।

शिविर में सुनी वनराजियों की समस्याएं

जौलजीवी। वनराजि प्रशिक्षण भवन जौलजीवी में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय अभियान के तहत शिविर लगाकर किमखोला, चिफलतरा, गैनागांव, भगतिरवा के वनराजियों की समस्याओं को सुना गया। इस दौरान वनराजियों के स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी भी दी। शिविर में 25 आधार कार्ड, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत एक, पीएम सुरक्षा मातृ वन्दन योजना के तहत 3, स्किल सेल मिशन के तहत 3, किसान सम्मान निधि के तीन, रोजगार प्रशिक्षण के लिये 40 प्रकरण निपटाए गए।

दूसरी ओर सामाजिक कार्यकर्ता शकुन्तला दताल ने शिविर में तहसीदार को पत्र देते हुए वनराजियों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ व बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दिलाने की मांग की। कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधा न होने से छोटी उम्र में वनराजियों की मौत हो रही है। अभी तक शैक्षिक स्तर भी नहीं सुधर पाया है। उन्होंने इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की मांग की।

मसूरी बिंटर कर्निवल पर धूम

मसूरी। मसूरी बिंटर कर्निवल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। अलग अलग स्थानों से आए कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। गांधी चौक, शहीद स्थल पर सांस्कृतिक आयोजन हुए। दर्शकों को लुभाने के लिये बॉलीबुड धुनों को बजाया गया, जिसमें वह खूब थिरके।

उत्तरायणी के लिये सजा बागेश्वर

बागेश्वर। गोमती-सरयू के संगम पर लगने वाले उत्तरायणी मेले के लिये बागेश्वर तैयार है। नगर में पुलों व स्नान घाट आदि स्थानों पर रंगरोगन के साथ ही बिजली से सजाया गया है। पालिका द्वारा विभिन्न पार्कों, मेला स्थल को सजाया गया गया है। ईओ हयात सिंह परिहार ने बताया है कि मेले को आकर्षक बनाने के लिये स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस अवसर पर मकर संक्रान्ति से लगातार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुन्दर प्रस्तुतियां होंगी।

परिक्रमा

ट्रस्ट की जमीन व इमारत कुर्क

देहरादून। प्रवर्तक निदेशालय (ईडी) ने उत्तराखण्ड में कथित अनुसूचित जाति जनजाति छात्रवृत्ति घोटाले से जुड़ी धन शोधन जाँच के तहत दीनदयाल एजुकेशनल ट्रस्ट की जाँच करते हुए जमीन-इमारत कुर्क की है। बताया जा रहा है कि संस्थान ने झूठे दावे किये थे।

पर्वतारोहण क्लब का बैज समारोह

रानीखेत। पर्वतारोहण और आउटडोर क्लब ने रोजमाउण्ट होटल में बैज समारोह मनाया। मुख्य अतिथि संयुक्त मजिस्ट्रेट वरुणा अग्रवाल ने नये सदस्यों को मान्यता के विषय में जानकारी दी। प्रतिभागियों को पर्वतारोहण और बाहरी गतिविधियों के क्षेत्र में उनके समर्पण और उपलब्धियों की स्वीकृति में बैज से सम्मानित किया गया, जिसमें पंकज बिष्ट, अशोक मेहरोत्रा, मंजरी वर्मा, वैन्ना जैन और चन्द्रशेखर जैन शामिल थे। अतिथि ने बैज प्राप्तकर्ताओं को सराहा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हल्द्वानी : फैलते शहर में तोड़फोड़ आश्चर्य की बात नहीं है

घिर चुके फुटपाथ, सिमट चुकी सड़कों, भर चुके नालों की मरम्मत होनी जरूरी

नए प्लान और नए साल में बहुत कुछ बदलने वाला है

हल्द्वानी महानगर में अतिक्रमण पर डण्डा हो रहा है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं कि इस फैलते शहर में तोड़फोड़ होने लगे क्योंकि इस सुन्दर शहर के फुटपाथ घिर चुके हैं, सड़कें सिमट कर सक्रीय दिख रही हैं, नालों में तक कब्जा कर लिया गया है। इन सभी प्रकार के अतिक्रमणों की मरम्मत जरूरी है। नए साल में नए प्लान के साथ बहुत कुछ बदलने वाला है।

जाम से परेशान मुख्य शहर को सुधार के लिये यहाँ के प्रमुख चौराहों पर अतिक्रमण हटाने की सख्ती के पीछे साफ दिखाई दे रहा है कि आने वाले दिनों में सड़कें चौड़ी होनी हैं और चौराहों का सुधारीकरण। सकरे हो चुके स्थानों पर चलने के लिये रास्ता निकालना है। पार्किंग स्थल तय होने हैं। बेहिसाब जनसंख्या से ठूसमठूस हो रहे शहर का दम न घुटे इसके लिये प्लान होना जरूरी भी है।

दिसम्बर 2023 के अन्तिम दिनों में नगर निगम और प्रशासन की संयुक्त अगुवाई में शहर के अतिक्रमण पर कार्रवाई के लिये अभियान शुरु कर दिया गया था जो जारी है। इसकी शुरुआत मंगल पड़ाव, सिन्धी चौराहा, रोडवेज व बाजार के कुछ इलाकों में सड़कों, फुटपाथों व चौराहों पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर हुई। मंगल पड़ाव क्षेत्र में सड़क के किनारों पर हुए अतिक्रमण को नगर निगम की जेसीबी से ध्वस्त कराया गया। इसमें दुकानदारों की ओर से स्लेप बढ़ाना, छज्जों व लोहे के जाल समेत अन्य अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया। सिन्धी चौराहे पर अवैध रूप से काबिज फलों की दुकान, ठेले व खोखे को हटाने के साथ ही फूल मण्डी की सड़कों से भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हुई। पक्के अतिक्रमणों पर निशान लगाकर उन्हें तुरन्त हटाने को कहा गया है।

इस समय शहर में सड़कों के चौड़ीकरण को लेकर लोक निर्माण विभाग ने सड़क पर करीब 2 मीटर तक चौड़ीकरण के दायरे में आने वाली सड़कों का चिन्हीकरण किया हुआ है। इसके दायरे में आने वाले अतिक्रमणों को भी सड़क चौड़ीकरण के दौरान मुक्त किया जायेगा।

लोकार्पण के दो वर्ष बाद भी सुरिंगाड़ जलविद्युत परियोजना शुरु न होने पर प्रदर्शन

मुनस्यारी। प्रधानमंत्री के लोकार्पण के दो वर्ष बाद भी सुरिंगाड़ जल विद्युत परियोजना के शुरु न होने पर क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला जलाया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को तत्काल शुरू नहीं किया गया तो सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आन्दोलन किया जायेगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री होश में आओ के नारे भी लगाए गए। शास्त्री चौक में एकत्रित हुए त्रिस्तरीय पंचायत के स्थानीय प्रतिनिधियों ने सामुहिक नेतृत्व में प्रधान मंत्री का पुतला दहन सहित नारेबाजी की।

क्षेत्र पंचायत सदस्य ईश्वर सिंह कोरंगा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 30 दिसमबर 2021 को इस परियोजना का लोकार्पण किया था। अब दो वर्ष बीत जाने के बाद भी इस परियोजना का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि लोकार्पण करने से पहले प्रधानमंत्री को धरातलीय हकीकत जानना चाहिए था। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार विभाग ने अगर प्रधानमंत्री को झूठी सूचना दी है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिये।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि सुरिंगाड़ जलविद्युत परियोजना का शुरू हो जाने के बाद आसपास के ग्रामीणों को इस परियोजना से बिजली की आपूर्ति दी जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि लगातार विद्युत कटौती हो रही है। ठण्ड के दिनों में बिजली नहीं होने से आम नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य सुरेन्द्र सिंह बृजवाल, केदार वर्मा, कैलाश सुमत्याल, ग्राम प्रधान नवीन राम, कृष्णा सिंह सयाना, महेश रावत, शंकर सिंह धर्मशक्तू आदि मौजूद थे।

परम्परागत बैठकी होली जारी है

पौष के प्रथम रविवार से शुरु हो जाने वाली परम्परागत बैठकी होली प्रमुख स्थानों में जारी है। हल्द्वानी में हिमालय संगीत शोध समिति द्वारा नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है। नैनीताल में श्रीराम सेवक सभा द्वारा बैठक करवाई गई। बाड़ेछीना में गोपालदत्त भट्ट के संरक्षण में बैठकी हुई। गंगोलीहाट महाकाली मन्दिर में इसकी शुरुआत हुई। लोहाघाट और चम्पावत में रसिक जनों ने बैठकी में होली प्रस्तुति की। काशीपुर, रानीखेत से भी बैठकी की सूचना है।

पंचायतीराज विभाग का प्रशिक्षण क्षेत्र पंचायत विकास पर बातचीज

मुनस्यारी। पंचायती राज विभाग उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा विकास खण्ड स्तरीय अधिकारियों एवं कार्मिकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण का उद्घाटन क्षेत्र प्रमुख भावना देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि चीन सीमा से लगी पंचायतों को सशक्त होकर राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आज से ही शुरुआत करनी चाहिए। पंचायत में नवाचार बढ़ाने के लिए क्षेत्र पंचायत विकास योजना को नयापन देना होगा।

विकासखण्ड सभागार में आयोजित प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए क्षेत्र प्रमुख ने कहा कि सतत विकास के 9 लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें क्षेत्र पंचायत विकास योजना बनाने के लिए होमवर्क करना चाहिए। उन्होंने रेखीय विभाग के अधिकारियों से भी कहा कि वे जब गाँव में जाते है, तो देखें की हम क्या नया कर सकते है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए पंचायत में पारित योजनाओं को ही रेखीय विभागों को स्वीकार करना चाहिए। पंचायत से बाहर की योजनाओं को प्लान में लाने से विकास की गति दिग्धार्मित जैसी हो रही है। पंचायती राज विभाग द्वारा क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा विकास खण्ड स्तरीय है एक ही विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों को क्षमता विकास हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का संचालन सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया पिथौरागढ़ द्वारा किया जा रहा है।

प्रशिक्षणदाता संस्था के अध्यक्ष जगत मर्तोलिया ने प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में 2030 तक इन नौ लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर 17 विकास की लक्ष्य तय किए गए थे। जिन्हें अंगीकृत करने के लिए 169 उद्देश्य अंकित किए गए है।

भारत सरकार के पंचायती राज विभाग ने इन सत्र लक्ष्यों को स्थानीय आधार पर 9 थीम में तब्दील किया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र पंचायत विकास योजना में इन नौ लक्ष्यों की झलक देखनी चाहिए। इसलिए इस प्रशिक्षण को आयोजित किया जा रहा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य ईश्वर सिंह कोरंगा ने कहा कि बिना रेखीय विभाग के सहयोग के इन लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आपसी सामंजस्य पर जोर दिया।

इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य दीपा देवी, नीमा देवी, मालती देवी, सुरेन्द्र सिंह बृजवाल, योगेश भाकुनी, केदार वर्मा, कल्लू सुमत्याल, प्रभारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत नीलम कोरंगा, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी गीता पिमोली आदि मौजूद रहे। प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर केदार बिष्ट ने किया।

इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर कला नग्नयाल, रेखा धामी, सोनिया बृजवाल आदि मौजूद रहे।

चम्पावत भाजपा में हचलच का कारण बना नेता

मण्डल अध्यक्ष पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप, पार्टी से निष्कासित

चम्पावत। चम्पावत जिले का एक नेता पार्टी में हलचल का कारण बन चुका है। ऐसे में गुटबाजी खुलकर सामने दिखाई दी। मामला गम्भीर देखते हुए किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी नेता को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। भाजपा के एक मण्डल अध्यक्ष कमल रावत पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप लगा है। मामले में पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पाक्सो समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

बताया जा रहा है कि चम्पावत के मंच तल्लादेश मंडल का अध्यक्ष और सल्ली गाँव के बीडीसी सदस्य कमल रावत पर यहीं की रहने वाली नाबालिग ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस को दी तहरीर में नाबालिग के परिजनों ने बताया कि आरोपी ने नाबालिग को बहला फुसलाकर उसका शारीरिक शोषण किया। आरोपी लगातार डरा धमकाकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करता आ रहा है। आरोपी ने नाबालिग को मामला सार्वजनिक करने या किसी अन्य को इस बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी। लेकिन नाबालिग ने अपने परिजनों को पूरी सच्चाई बता दी। जिसके बाद परिजन कार्रवाई को लेकर पीड़िता संग को कोतवाली पहुँचे। जाँच अधिकारी पिंकी धामी ने बताया कि मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी कमल रावत के खिलाफ पाक्सो समेत दुष्कर्म की धारा 376 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

बताया जाता है कि दुष्कर्म का आरोपी और भाजपा मण्डल अध्यक्ष पूर्व में चम्पावत पीजी कालेज में छात्रसंघ का अध्यक्ष भी रहा है। इसके अलावा वह सल्ली क्षेत्र से बीडीसी सदस्य भी है। आरोपी पेशे से ठेकेदार भी है। जो हमेशा ही विवादित मामलों में सुर्खियों में भी रहा है। कुछ माह पूर्व लोनिवि में टेंडर प्रक्रिया के दौरान आरोपी ने विभागीय अधिकारियों व ठेकेदारों के सामने टेंडर तक फाड़ डाले थे। इससे पहले गाँव की सड़क में घटिया डामरीकरण को लेकर भी आरोपी चर्चाओं में रहा।

दुष्कर्म के आरोपी पर कार्रवाई को लेकर जहाँ राजनैतिक दबाव दिनभर रहा। वहीं मुकदमा दर्ज करने को लेकर पार्टी का ही एक गुट दबी आवाज में कार्रवाई के लिए पुरजोर कोशिश करने लगा। इसके पीछे बीते कुछ सालों में बीडीसी के चुनाव के दौरान की रंजिश भी रही। सूत्र बताते हैं कि यह पुलिस पर तक बहुत दबाव था, ऐसे में दिनभर चम्पावत में इस मामले की चर्चाएं जोरों पर रही। पार्टी के विपक्षी गुट के लोग लगातार एक दूसरे से कार्रवाई का अपडेट लेते रहे।

बताया जा रहा है कि दुष्कर्म की पीड़िता नाबालिग व उसकी माँ और परिजन सुबह दस बजे से पहले ही कोतवाली पहुँच गए थे। पहले तो इन पक्षों को समझौते का सुझाव दिया। बात न मानने पर पुलिस ने सायंकाल कार्रवाई का आश्वासन दिया। कोतवाल ने कहा कि जाँच कर आरोपी पर कार्रवाई होगी। यह प्रकरण आग की तरह फैलते ही सबकी निगाह पार्टी के फैसले पर भी थी। अगले दिन भाजपा जिला अध्यक्ष निर्मल महरा ने स्पष्ट किया कि पार्टी हाईकमान के निर्पदेश पर आरोपी को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। कहा भाजपा की ओर से किसी भी प्रकार का बचाव नहीं किया जा रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस ने सीएम विधानसभा क्षेत्र में हुई इस घटना को लेकर कहा है सरकार एक ओर पूरे प्रदेश में च्येली ब्वारी महोत्सव मना रही है दूसरी तरफ बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। आरोपी को कठोर सजा मिले। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री और भाजपा का पुतला दहन करते हुए प्रदर्शन तक किया और कहा कि पीड़ित को न्याय दिलाना छोड़ आरोपी को तत्काल गिरफ्तार नहीं किया गया। पूर्व विधायक होमेश खर्कवाल ने कहा कि न्याय की लड़ाई हमेशा लड़ी जाएगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नव वर्ष २०२४ की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

फकीर राम ग्वासाकोटी

पूर्व रेंजर, कुन्ती भवन, टकाना रोड

पिथौरागढ़

श्रीमती शकुन्तला दत्ताल

समाजसेवी

ग्राम पो. जौलजीवी

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-

(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel

Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स

बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

घर से बाहर घर का सा

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क

7351285555

पूर्ण कालिक संगीत प्रशिक्षण केन्द्र

हिमालय संगीत शोध समिति

जे.के.पुरम्, सेक्टर डी

छोटी मुखानी

हल्द्वानी

सम्पर्क- 9411563413

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148

www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236

8958525979, 9411134775

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)